लोक सभा कर्मचारी संघ द्वारा लोक सभा सचिवालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपयोग हेतु माननीय लोक सभा अध्यक्ष का प्रारूप भाषण।

सबसे पहले मैं सभी माननीय सांसदों, यहां उपस्थित अतिथिजनों, लोक सभा सचिवालय में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों एवं उनके परिवारजनों को विजयादशमी पर्व की बधाई देता हूँ एवं आने वाले पंच पर्व सहित दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दीपों का पर्व दीपावली आप सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, प्रसन्नता, उमंग और उल्लास लेकर आए। आप सभी स्वस्थ, खुशहाल और ऊर्जावान रहें।

साथियो, हम सभी जानते हैं कि पिछले लगभग दो साल समस्त मानवता के लिए बड़ी चुनौती का कालखंड रहा है जिसने हम सबकी कड़ी परीक्षा ली है। हम सब मिलकर के इस महामारी पर काबू पाने में सक्षम रहे हैं लेकिन चुनौतियां अभी भी हमारे समक्ष हैं।

कोरोना की पहली और दूसरी लहर ने समस्त विश्व को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि हमें किस प्रकार आगे का रास्ता तय करना है। प्रकृति ने रास्ता दिखाया भी है कि हमें कैसे आगे बढ़ना है।

इस कालखंड में हमारे संसद परिवार ने अपने कई निकट संबंधियों, हितैषियों और परिवारजनों को खोया है, जिसके लिए हम सभी दुःखी हैं। हम सभी उनके लिए श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने कोरोना से लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया।

अभी भी कोरोना गया नहीं है, खतरा अभी भी बरकरार है। इसलिए हम अभी भी सलाह देते हैं कि हम अपने आचरण को कोविड के अनुरूप रखें।

बहरहाल, आज हम सब एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए एकत्रित हुए हैं। ऐसा होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। हम सदा दुःखी नहीं रह सकते और हमें दुःखी रहना भी नहीं चाहिए। इसलिए लोक सभा कर्मचारी संघ ने आज शाम एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया है जो बहुत ही उचित कदम है।

मुझे बताया गया है कि सत्र के कार्य निपटाने के बाद आरंभ से ही संसद परिवार की परिपाटी रही है कि लोक सभा कर्मचारी संघ द्वारा कर्मचारियों और अधिकारियों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

साथियों, जितने मनोयोग से और कठिन परिश्रम से हम कार्य संपादित करते हैं, कार्य संपादित होने के बाद यह आवश्यक है कि हम अपने जीवन में आनंद के रंग भरे। इसलिए, हमारी सभ्यता और संस्कृति में उत्सवों का सृजन किया गया है।

ऐसे रंगारंग कार्यक्रम हमारे जीवन में आनंद और प्रसन्नता के भाव लाते हैं। वास्तव में उत्सव हमें आनंद की अनुभूति कराते हैं। नाटक, गीत, नृत्य और संगीत का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। यह हमारे अंदर जीवनी शक्ति को एक विस्तार देता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न प्रतिभागीगण अपने नृत्य, संगीत, गायन एवं नाट्य कला इत्यादि का प्रदर्शन करते हैं। मैं चाहता हूँ कि हमारे अधिकारी एवं कर्मचारीगण अपनी प्रतिभा को निखारे एवं उनका सर्वांगीण विकास हो।

संसद परिवार का मुखिया होने के नाते मेरी यह जिम्मेदारी है कि मैं अपने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों एवं उनके परिवार के सुख-दुःख का ध्यान रखूँ। आज ये वे क्षण हैं जब मैं उनकी खुशियों में अपनी खुशियां साझा कर रहा हूं।

लोक सभा सचिवालय एक विशाल परिवार की तरह है, जिसका हर सदस्य महत्वपूर्ण है। हम सब एक उद्देश्य के साथ एक टीम की तरह काम करते हैं।

जैसा कि पहले भी मैंने आप सबसे कहा है कि हमारा उद्देश्य है कि लोक सभा सचिवालय को सिर्फ देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संस्थान बनाएं। इस परिवार का हर सदस्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए माननीय संसद-सदस्यों को सर्वोत्तम तरीके से सहयोग करे। ताकि, माननीय संसद-सदस्यगण अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वाह कर सकें।

साथियो, संसद सिर्फ इस भवन का नाम नहीं है। यह भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत है। यह भारत की 130 करोड़ जनता की आकांक्षा और सपनों का सम्मिलित रूप है।

इसलिए, आप लोग भी देश की 130 करोड़ जनता के आशाओं और सपनों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए मैं आप सभी का अभिनंदन भी करता हूँ और यह उम्मीद भी करता हूँ कि आप सदा अपना सर्वश्रेष्ठ इस संस्थान को देंगे।

हम सभी अवगत हैं कि बीते डेढ़-दो वर्षों में लोक सभा ने कोरोना काल में डिजिटल माध्यम से कार्यालय के अधिकतर कार्य संपादित किए। कोरोना काल के दौरान जब ज्यादातर लोग घर में ही थे, उस दौरान भी हमारे कई कर्मचारियों और अधिकारियों ने पूरे मनोयोग से काम किया।

हमने कोरोना काल के दौरान ही दो सत्र भी चलाए। इस दौरान आप सभी ने जिस निडरता से हमारा साथ दिया, इसके लिए आप सभी प्रशंसा के पात्र हैं।

लेकिन, अभी हमें आगे का रास्ता भी तय करना है। हमें नई ऊंचाइयां छूनी हैं और नई उपलब्धियां हासिल करनी है। यह सब तभी संभव होगा जब लोकसभा सचिवालय परिवार का हर अधिकारी और कर्मचारी अपनी-अपनी क्षमताओं और गुणवत्ता का विकास करे।

आप सभी लोग संसदीय नियमों और कार्य-प्रणालियों को और बेहतर ढंग से आत्मसात करें और अपने-अपने कार्यों में नई रचनात्मकता लाने की कोशिश करें। आप और सीखने की कोशिश करें और अपनी प्रतिभा में और निखार लाएं। मैं आपके सर्वश्रेष्ठ को देखना चाहता हूँ।

साथियो, आप सभी को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इन-हाउस के साथ-साथ बाहर भी प्रशिक्षण पर भेजा जा रहा है और विदेशों में भी स्टडी विजिट कराए जा रहे हैं। मुझे आशा है कि और बेहतर कार्य कर सकने में, देश को और बेहतर deliver करने में आप सभी सक्षम हो सकेंगे।

मैं चाहता हूं कि लोक सभा सचिवालय की कार्य-संस्कृति (work-culture) इतनी उत्कृष्ट हो कि पूरी दुनिया के लोग हमसे सीखें। जब कभी दुनिया के किसी भी देश में संसद की कार्य-संस्कृति की बात हो , कार्य-प्रणाली की बात हो तो, लोक सभा सचिवालय का उदाहरण दिया जाए। और दूसरे देश के लोग हमारे यहां आकर हमसे शिक्षण और प्रशिक्षण लें। ऐसा हम सबका लक्ष्य होना चाहिए।

साथियो, मानव को सदा सीखते रहना चाहिए। आज जो आप अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे, वह सभी आपने सीखा है। आपके परिवार के सदस्यों ने भी उन कलाओं को सीखा है। शिक्षा ही परिवर्तन का रास्ता निर्धारित करती है।

मैं चाहता हूँ कि आप सभी आज आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का पूरे मन से आनंद उठाएं। आप सकारात्मक रहें और अपने परिवार के सभी सदस्यों को सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दें। सकारात्मक दृष्टिकोण ही राष्ट्र और समाज के नव-निर्माण का तथा सर्वांगीण विकास का आधार है।

मुझे विश्वास है कि लोक सभा कर्मचारी संघ के तत्वावधान में आयोजित होने वाला आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम सफल होगा, सबके लिए मनोरंजक सिद्ध होगा।

लोग दीपावली को नव वर्ष के रूप में भी मनाते हैं, इसलिए मैं आप सभी को दीपावली के साथ-साथ नव वर्ष की भी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आप स्वस्थ रहें, आप सभी के जीवन में निरंतर शांति, सुख एवं समृद्धि आए, प्रभु से यही प्रार्थना है।
